छठ महापर्व
को लेकर विभिन्न घाटों की साफ-सफाई का काम युद्धस्तर पर जारी

जमशेदपुर के 90 छठ घाटों में से करीब 75 घाटों पर फैला है कचरा
नदी किनारे 36 घाट, इस बार पानी है साफ, युद्धस्तर पर काम जरूरी

घाटों पर चेंजिंग रूम और लाइटिंग की भी व्यवस्था की जाएगी

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

महापर्व छठ की तैयारी शुरू हो गई है। सोमवार को नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय महापर्व शुरू हो जाएगा। इस बार सरकार ने जलाशयों पर अर्घ्य देने की छूट दी है। दैनिक भास्कर की टीम ने घाटों की तैयारियों की पड़ताल की। पता चला कि जमशेदपुर जिले में करीब 90 छठ घाट हैं। इनमें से 36 घाट सुवर्णरेखा और खरकई नदी के किनारे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार नदी में पानी साफ है। इससे व्रतियों को अर्घ्य देने में परेशानी नहीं होगी, लेकिन करीब 75 छठ घाटों की अब तक साफ-सफाई नहीं हुई है। घाटों पर गंदगी फैली हुई है। शहर के 65 घाटों में 12 ही तैयार हुए हैं। अगर युद्धस्तर पर सफाई का काम नहीं हुआ तो छठ व्रतियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

जिला प्रशासन का दावा है कि व्रतियों के अर्घ्य देने से पहले घाटों की साफ-सफाई कर ली जाएगी। इसके अलावा घाटों पर चेंजिंग रूम और लाइटिंग की भी व्यवस्था की जाएगी।

बारीडीह घाट

- पटमदा के तीन घाटों की साफ-सफाई पुलिस करा रही
- आदित्यपुर के 17 और गम्हरिया प्रखंड के 12 घाटों की साफ-सफाई अभी होना बाकी है

पूजा समितियां बोलीं- बैरिकेडिंग कर एनडीआरएफ को तैनात करें

- नदी किनारे और तालाबों में जहां पानी अधिक है, वहां बैरिकेडिंग किया जाए, ताकि हादसा न हो।
- सभी घाटों में ऑक्सीजनयुक्त एंबुलेंस की व्यवस्था हो। जहां भीड़ अधिक, वहां डॉक्टरों की टीम भी तैनात हो।
- दो दिन के अंदर शहर के सभी छठ घाटों की साफ-सफाई कर ब्लीचिंग पाउडर और चूना डालें।
- घाट से पहले पार्किंग की व्यवस्था हो। वहां ट्रैफिक पुलिस की भी तैनाती हो, ताकि लोग गाड़ी लेकर घाट तक न पहुंचे।

अपील घर पर दें अर्घ्य

छठ घाटों पर इस बार भीड़ होने की संभावना है। इसलिए संभव हो तो घर की छत या मुहल्ले में जलकुंड बनाकर अर्घ्य दें। निगम जलकुंड बनाएगा। घाट पर जाएं तो सीढ़ी से नीचे न उतरें। बच्चों को भी पानी से दूर रखें।

तीनों निकाय क्षेत्र अपने-अपने इलाके की नदी व तालाब पर उपलब्ध करा रहे व्यवस्था , भुइयांडीह घाट पर सुबह की जा रही सफाई, शाम में लग जा रहा गंदगी का अंबार

आस्था के महापर्व छठ के लिए नदी व तालाब घाटों की हो रही सफाई

लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा 8 नवंबर से शुरू होगा . चार दिवसीय महापर्व की तैयारी में जिला प्रशासन जुट गया है . महापर्व को लेकर शहरी क्षेत्र के तीनों नगर निकायों ने छठ घाटों की साफ- सफाई का काम तेज कर दिया है . सफाई के साथ घाट को समतल करने का काम भी चल रहा . छठ घाट जाने के रास्ते, नदी तट तक सफाई के अलावा लाइटिंग, डेंजर जोन, चेंजिंग रूम, मछुआरों आदि की व्यवस्था भी घाटों पर उपलब्ध करायी जायेगी . प्रशासन की चिंता गंदगी फैलाने वालों को लेकर है . भुइयांडीह छठ घाट पर सुबह में सफाई करायी जा रही है, लेकिन शाम तक वहां गंदगी का अंबार लग जा रहा . जुस्को और जेएनएसी की टीम लोगों के अनुरोध पर नदी व तालाब घाटों पर व्यवस्था उपलब्ध कराने में जुटी हुई है . मोहरदा छठ घाट का समतलीकरण कराया जा रहा है . भोजपुर घाट, निराला पथ, जिला स्कूल छठ घाट, पटना लाइन, बागुनहातु बिहारी छठ घाट, पांडेय घाट, मकदम छठ घाट, केबल टाउन डीएस फ्लैट न्यू केबल टाउन, जेम्को चौक, जोजोबेड़ा में पूर्व से निर्मित तालाब, बाबूडीह लाल भट्ठा, रामजन्म नगर कदमा , सती घाट कदमा, हाड़ गोदाम कदमा, अनिल सुर पथ कदमा, श्याम नगर सोनारी छठ घाट की सफाई करायी जा रही है .

टेल्को आम बागान घाट

टेल्को कॉलोनी के लोगों की सुविधा के लिए टाटा मोटर्स प्रबंधन की ओर से छठ घाट का निर्माण कराया गया है. टाटा मोटर्स प्रबंधन छठ घाट की सफाई करा रहा है.

गोविंदपुर राम मंदिर

गोविंदपुर राम मंदिर राम जानकी सरोवर घाट में सफाई शुरू हो गयी है, हालांकि अभी भी यहां गंदगी का अंबार लगा है. रविवार को भी यहां सफाई करायी गयी.

सोनारी कपाली छठ घाट

सोनारी कपाली छठ घाट को डेंजर जोन घोषित किया गया है. घाट तक जाने का रास्ता पूरी तरह से ढलान है. नदी तट पर पानी भी अधिक है.

बेली बोधनवाला घाट

सिदगोड़ा निवासी बेली बोधनवाला छठ घाट की सफाई की जा रही है. घाट तक जाने वाले रास्ते को साफ किया जा चुका है, लेकिन घाट के समीप बड़े-बड़े पत्थर है.

हुडको डैम

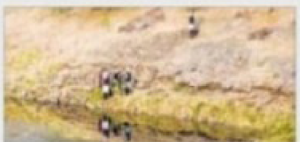
टेल्को हुडको छठ घाट की साफ- सफाई में छठ को देखते टाटा मोटर्स प्रबंधन लगा रहा है. यहां प्रबंधन की ओर से विद्युत सज्जा, सुरक्षा सहित अन्य इंतजाम किये जाते है.

सूर्य मंदिर सिदगोड़ा

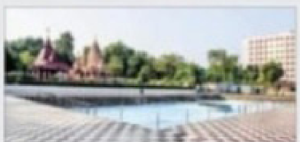
सूर्य मंदिर छठ घाट की साफ- सफाई करायी जा रही है. जेएनएसी की ओर से यहां सफाई करायी जा रही. सफाई का कार्य पूरा हो गया है. सिदगोड़ा, बागुनहातु, बागुनबागान, बारीडीह के सैकड़ों लोग यहां छठ करने आते है.

सोनारी दोमुहानी छठ घाट

सोनारी छठ घाट की साफ- सफाई हो गया है. पानी कम होने से यहां घाट विस्तृत है. यहां लोगों ने छठ घाट की घेराबंदी बांस-बल्ली लगा शुरू कर दी है. सोनारी के अलावा कदमा, आदित्यपुर सहित अन्य क्षेत्रों के हजारों लोग यहां आते है.

मानगो कुंवर बस्ती घाट

मानगो नगर निगम की ओर से कुंवर बस्ती पानी टंकी छठ घाट की सफाई करायी जा रही है. पूजा- अर्चना का सामान नदी तट पर गिरा देने से परेशानी हो रही. घाट जाने वाले रास्ते को चकाचक कर दिया गया है.

गोविंदपुर दयाल सिटी

अब तक छठ घाट की सफाई पूरी तरह से नहीं हो सकी है. तालाब में गंदगी का अंबार है, यहां गोविंदपुर के आस-पास के छठ व्रती पूजा करते हैं.

सुवर्णरेखा छठ घाट

शहर की 33 प्रतिशत आबादी छठ पर्व पर सुवर्णरेखा घाट पर आती है, जुस्को और जेएनएसी की ओर से सुवर्णरेखा नदी तट की सफाई करायी जा रही है.

कदमा नील सरोवर

कदमा नील सरोवर छठ घाट में जलकुंभी है. यहां छठ घाट की साफ- सफाई करायी जा रही है, तालाब की दीवारों का रंग-रोगन कराया जा रहा.

इस्ट प्लांट बस्ती घाट

बर्मामाइंस इस्ट प्लांट बस्ती छठ घाट की सफाई हो गयी है. छठ के एक दिन पूर्व तालाब में पानी भरा जायेगा. आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान शुरू होगी.